शिखर 5

पाठ 1. बूँदों का है कमाल

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्देश्य बच्चों को वर्षा का महत्त्व बताना तथा प्रकृति के मनोहारी सौंदर्य से अवगत कराना है। वर्षा ऋतु आते ही प्रकृति के सौंदर्य में असीम बढ़ोतरी हो जाती है। हमें प्रकृति के इस अनुपम सौंदर्य का आनंद लेना चाहिए।

कविता का सारांश

वर्षा के आते ही गरमी की एक नहीं चलती अर्थात् गरमी चली जाती है। यह सब वर्षा की बूँदों का कमाल है। जहाँ पहले धूल भरी आँधी चलती थी अब वहाँ चारों ओर हरियाली ही हरियाली है। पूरब से चलने वाली हवा फूलों की खुशबू बिखेर रही है। नदी और तालाबों में पानी ही पानी भरा है। गरमी में धूप आग बरसा रही थी वर्षा आते ही वह लू की झड़ी पारे के समान पिघल गई। जंगल में जो पेड़-पौधे सूख कर ठूँठ हो गए थे अब हरे-भरे हो गए हैं। खेतों में फिर से हरी-भरी फसलें लहरा रही हैं। हर गली-घाट में पानी ही पानी है। छोटी कोंपले बड़ी होने लगी हैं जैसे एक साल की हो गई हैं। आसमान में कभी-कभी सुंदर इंद्रधनुष दिखाई देता है। वर्षा की फुहारें मन को प्रसन्नता दे रही हैं। धरती पर जैसे चारों ओर खुशियाँ ही खुशियाँ छा गई हैं। यह सब वर्षा की बूँदों का ही कमाल है।

अध्यापन संकेत

कविता वाचन से पूर्व बच्चों को वर्षा ऋतु की सुंदरता के बारे में बताएँ। प्रकृति में आने वाले बदलावों से उन्हें परिचित कराएँ। कविता का सस्वर वाचन करें। पहले कविता का स्वयं वाचन करें फिर बच्चों से एक-एक अंश का लय में वाचन कराएँ। कविता वाचन करते समय बच्चों से पूछें एवं समझाएँ–

- ❖ उन्हें वर्षा ऋतु का मौसम कैसा लगता है? वे किस प्रकार इसका आनंद लेते हैं?
- ❖ अन्य सभी ऋतुओं के बारे में भी बच्चों को बताएँ।
- ❖ बच्चों से पूछें कि वर्षा ऋतु में घर में क्या-क्या पकवान बनते हैं?
- ❖ वे अपने आस-पास क्या परिवर्तन देखते हैं?
- ❖ वर्षा में पेड़ों का क्या योगदान है यह बच्चों को समझाएँ।
- ❖ बच्चों को वर्षा ऋतु में पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें।
- ❖ कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।
- ❖ कविता में आए तुकांत शब्दों को छाँटकर लिखने को कहें।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।